Appendix-43
Resolution No. 27 {27-1 (27-1-6)}

INDEX

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER – V

Sl. No.	Details of Paper	Page No.
1.	**BA (Hons.) Hindi – DSC** 1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र **(DSC-13)** 2. आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर) **(DSC-14)** 3. हिंदी आलोचना **(DSC-15)**	2-7
2.	**Pool of DSE** 1. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच 2. हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ 3. हिंदी यात्रा साहित्य	8-13
3.	**Pool of Generic Elective** 1. कंप्यूटर और हिंदी 2. रंगमंच और लोक साहित्य	14-17
4	**BA (Prog.) with Hindi DSC as Major** 1. हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण (DSC-9) 2. राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी (DSC-10)	18-21
5	**BA (Prog.) with Hindi as Non-Major** 1. हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण (DSC-9)	22-23
6	**BA (Prog.) Hindi : Pool of DSE** 1. विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य 2. व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा 3. हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ	24-29
7	**BA (Prog.) Hindi : Pool of Generic Elective (GE)** 1. लोकप्रिय हिंदी साहित्य 2. प्रवासी हिंदी साहित्य	30-33

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-13
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-14
आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्भों को समझने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माघ्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप
  (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा
  (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नही सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अज़ीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-15
हिंदी आलोचना

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-15 हिंदी आलोचना	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

इकाई 1 : **(9 घंटे)**

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई 3 : **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ
- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य

- अज्ञेय – 'तार सप्तक' की भूमिका

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला ('प्रसाद, निराला, अज्ञेय' पुस्तक से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

इकाई-1 : **(12 घंटे)**

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

इकाई-2 : **(12 घंटे)**

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 : **(9 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 : **(12 घंटे)**

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय **(11 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार **(11 घंटे)**

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार
- गीत और संगीत का बाजार

- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप **(11 घंटे)**

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

इकाई 4 : फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) **अध्ययन** **(12 घंटे)**

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

विशेष: उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी यात्रा साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी यात्रा साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप **(12 घंटे)**

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय **(12 घंटे)**

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन
- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(9 घंटे)**

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
कंप्यूटर और हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कंप्यूटर और हिंदी	4	3	0	1	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।
- हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट्स से परिचित कराना।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी **(12 घंटे)**

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी **(9 घंटे)**

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण
- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष **(12 घंटे)**

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
रंगमच और लोक-साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगमंच और लोक-साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा **(9 घंटे)**

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय **(12 घंटे)**

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- लखमीचंद : सांग – 'नल दमयन्ती'
- भिखारी ठाकुर : 'बिदेसिया'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – 'हयवदन'

- सिद्धेश्वर सेन : माच – 'राजा भरथरी'

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press,1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester V : DSC-9
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as MAJOR
Semester V : DSC-10
राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-10 राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा के विविध रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

इकाई 2 : राजभाषा हिंदी **(12 घंटे)**

- राजभाषा : तात्पर्य और स्वरूप
- राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

इकाई 3 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी **(12 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
- संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

इकाई 4 : हिंदी का अनुप्रयोग **(9 घंटे)**

- राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)
- राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; राजभाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, डॉ. देवेंद्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ एवं समाधान, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. सिंह, शंकर दयाल; हिंदी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. राजवीर; राजभाषा हिंदी : विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. गिरि, डॉ. राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR
Semester V : DSC-9
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)

- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : DSE
विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे।

इकाई 1 : भारत-विभाजन और स्वाधीनता **(12 घंटे)**

- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम
- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय

इकाई 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता **(12 घंटे)**

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की शृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

इकाई 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी **(12 घंटे)**

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- मैं जिंदा रहूँगा – विष्णु प्रभाकर

इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास **(9 घंटे)**

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. प्रसाद, डॉ. राजेंद्र; खंडित भारत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरीला, नरेंद्र सिंह; विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शेषाद्रि, हो. वे.; ...और देश बंट गया, सुरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
4. लोहिया, राम मनोहर; भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, अनिता इंदर; भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
7. प्रियंवद; भारत विभाजन की अंतःकथा, पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, बलबीर; भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. यादव, सुभाष चंद्र; भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
10. मोहन, नरेंद्र; विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. मधुरेश; हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
14. मधुरेश; हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
15. Azad, Maulana Abul Kalam; India Wins Freedom, Orient Longman, Hyderabad, India.

BA (Prog.) Hindi

Semester V : DSE

व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित कराना
- हिंदी भाषा के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता विकसित करना
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक रूप से व्यावसायिक जगत से जोड़ना
- छात्रों को हिंदी से जुड़े रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यावसायिक संप्रेषण की प्रक्रिया से अवगत होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होंगे
- हिंदी के वैश्विक और व्यावसायिक अंतःसंबंधों को समझेंगे
- व्यावसायिक लेखन की प्रक्रिया से परिचित होंगे

इकाई 1: संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व **(12 घंटे)**

- संप्रेषण की परिभाषा एवं स्वरूप
- संप्रेषण का महत्त्व
- भूमंडलीकरण के युग में संप्रेषण की महत्ता
- संप्रेषण की बाधाएं

इकाई 2: व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा **(9 घंटे)**

- व्यावसायिक संप्रेषण का स्वरूप
- व्यावसायिक संप्रेषण के प्रकार
- तकनीकी व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 3: हिंदी जनसंचार और व्यावसायिक संप्रेषण **(12 घंटे)**

- संप्रेषण के विविध माध्यम – परंपरागत और आधुनिक
- प्रिंट मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- हिंदी भाषा, सोशल मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 4: हिंदी में व्यावसायिक लेखन **(12 घंटे)**

- हिंदी में व्यावसायिक लेखन का महत्त्व
- हिंदी में व्यावसायिक लेखन के प्रकार (प्रतिवेदन लेखन, कार्यसूची, कार्यवृत्त का रूप निर्माण)
- व्यावसायिक पत्र और ईमेल का प्रारूप निर्माण
- स्ववृत्त-निर्माण और उसके विविध स्वरूप

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पाल एवं शर्मा, डॉ. हंसराज एवं डॉ. मंजुलता; व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. झालटे, डॉ. दंगल; प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय, कैलाशनाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. गोस्वामी, कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी की प्रमुख संस्थाओं से परिचित कराना।
- हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका से अवगत कराना।
- संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी के विकास में विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के योगदान को समझ सकेंगे।
- प्रारंभिक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास में विभिन्न संथाओं और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी की आरंभिक संस्थाएँ **(12 घंटे)**

- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
- दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

इकाई 2 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी संस्थाएँ **(12 घंटे)**

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज

इकाई 3 : हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान **(12 घंटे)**

- आरंभिक पत्र – उदन्त मार्तण्ड, बंगदूत, समाचार सुधा वर्षण
- साहित्यिक पत्रिकाएं – कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती
- हिंदी के विकास में प्रमुख पत्रकारों का योगदान – भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबू बालमुकुंद गुप्त।

इकाई 4 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं **(9 घंटे)**

- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाएं – धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान
- आपातकाल के दौर की पत्रकारिता और चुनौतियां
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएं

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. वैदिक, वेदप्रताप; हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
4. पांडेय, डॉ. पृथ्वीनाथ, पत्रकारिता : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, कुमुद; भूमंडलीकरण और मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
लोकप्रिय हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE लोकप्रिय हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- लोकप्रिय संस्कृति की समझ विकसित करना।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य का परिचय देना।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम-अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य से परिचित होंगे।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय संस्कृति : अवधारणा और स्वरूप
- लोकप्रिय संस्कृति और कला के विविध आयाम
- लोकप्रिय संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य

इकाई 2 : लोकप्रिय साहित्य **(12 घंटे)**

- लोकप्रिय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- वैश्वीकृत दुनिया और हिंदी का लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक।

इकाई 3 : लोकप्रिय कविता **(9 घंटे)**

- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला (भाग 1)
- कवि प्रदीप – दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
- शैलेंद्र – दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
- गोपालदास नीरज – कारवाँ गुज़र गया

इकाई 4 : लोकप्रिय कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- चंद्रकांता – देवकी नंदन खत्री
- गुप्त कथा – गोपाल राम गहमरी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पचौरी, सुधीश; पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज।
2. रंजन, प्रभात; पॉपुलर हिंदी लुगदी हिंदी : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य, जानकीपुल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कृष्ण, संजय (संपादक); गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. शुक्ल, वागीश; चंद्रकांता (संतति) का तिलिस्म, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सक्सेना, प्रदीप; तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद चरित्र, शिल्पायन, दिल्ली।

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
प्रवासी हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (If any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE प्रवासी हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय **(12 घंटे)**

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास

- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

इकाई 2 : प्रवासी कविताएं **(12 घंटे)**

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

इकाई 3 : प्रवासी कहानियां **(12 घंटे)**

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास **(9 घंटे)**

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नावरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.